टेक्सटाइल्स सेक्टर में पांच लाख से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

यूपी जीआइएस में निवेश प्रस्ताव से दो लाख रोजगार के अवसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : प्रदेश सरकार टेक्सटाइल्स सेक्टर में पांच लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाएगी। यूपी जीआइएस में आए 1092 प्रस्ताव के जरिए 54,710 करोड़ रुपये के निवेश को लेकर एमओयू हुआ है। धरातल पर यह योजनाएं उतरने पर दो लाख से अधिक युवाओं की अपने घर-गांव में ही रोजगार मिल जाएगा। इस क्षेत्र में आदित्य बिरला ग्रुप भी निवेश को आगे आया है। वहीं, शुक्रवार को केंद्र की मोदी सरकार ने लखनऊ में टेक्सटाइल्स पार्क को मंजूरी दी है। इससे भी करीब तीन लाख रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में टेक्सटाइल्स सेक्टर में पूर्वांचल, पश्चिमांचल, बुंदेलखंड व मध्यांचल सभी क्षेत्रों निवेश के प्रस्ताव आए हैं। इससे कताई-बुनाई से लेकर परिधान बनाने और पैकेजिंग कर आमजन तक पहुंचाने के जरिए भी रोजगार के कई अवसर मुहैया कराए जाएंगे। सरकार की मंशा यूपी को वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में ग्लोबल हब बनाने की है। 17 मार्च शुक्रवार को केंद्र सरकार ने लखनऊ में टेक्सटाइल्स पार्क को मंजूरी दे दी है। इससे ग्लोबल हब बनाने के योगी सरकार के सपने को पंख लग गए हैं।

03

लाख युवाओं को मिलेंगे टेक्सटाइल्स पार्क से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार

रेडीमेड गारमेंट्स की 115 इकाइयों की होगी स्थापना

देश-दुनिया में रेडीमेड गारमेंट्स के उत्पादन में पहचान बना चुके नोएडा में इसे संगठित रूप देने के लिए सरकार वहां अपैरल पार्क बनाएगी। इस पार्क में रेडीमेड गारमेंट्स की लगभग 115 निर्यातोन्मुखी इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य है। एक अनुमान के अनुसार इसमें तीन हजार करोड़ का निवेश आएगा। जुलाई में शिलान्यास और सितंबर 2025 तक सभी इकाइयों में व्यावसायिक उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदेश सरकार ने पीएम मित्र योजना के तहत पार्क का खाका केंद्र को भेजा था। करीब एक हजार एकड़ में स्थापित होने वाला यह पार्क लखनऊ-हरदोई सीमा पर स्थापित होगा। हरदोई के कई तहसील के गांवों की जमीन अधिग्रहीत की जाएगी। उम्मीद है कि इससे लगभग तीन लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मुहैया होंगे। परियोजना पर 1200 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

टेक्सटाइल के क्षेत्र में हैं बेहद संभावनाएं : प्रदेश में वस्त्र उद्योग की बेहद संभावनाएं हैं। यहां दक्ष श्रमिकों की भी कोई कमी नहीं है। जरूरत समय के अनुसार प्रशिक्षण देकर उनका हुनर निखारने की है। वाराणसी की रेशमी साड़ियां, भदोही की हाथ से बनी कालीन, लखनऊ की चिकनकारी, बरेली की जरी जरदोजी, नोएडा के रेडीमेड गारमेंट्स की देश-दुनिया में अपनी पहचान है। प्रदेश के 34 जिले हथकरघा बाहुल्य हैं। इसी तरह मऊ, अंबेडकरनगर, वाराणसी, मेरठ, कानपुर, झांसी, इटावा, संतकबीरनगर आदि जिले पावरलूम बहुल हैं।

शहरों में बनेंगी फ्लैटेड फैक्ट्रियां

इस उद्योग को संगठित रूप देने के लिए जिन शहरों या उनके आसपास रेडीमेड गारमेंट्स हैं, वहां सरकार फ्लैटेड फैक्ट्री बनाएगी। पहले चरण में इसके लिए कानपुर नगर, गोरखपुर और आगरा को चुना गया है। क्लस्टर अप्रोच की संभावनाओं के मद्देनजर ही सरकार सभी एक्सप्रेसवे के किनारों बनने वाले औद्योगिक गलियारों में उस क्षेत्र की परंपरा के अनुसार टेक्सटाइल उद्योग की स्थापना भी करेगी।

यह और उप्र की अन्य खबरें www.jagran.com पर पढ़ें